# Jamshedpur Co-operative College, Jamshedpur

## Department of Hindi

## MA Hindi Programme Outcome

स्नातकोत्तर हिंदी पाठ्यक्रम छात्रों के बहुआयामी विकास के दृष्टिकोण से संयोजित किया गया है। प्रथमत्तः इसके अंतर्गत छात्रों की भाषाई दक्षता का विकास होता है और वे कार्यलयी प्रयोजन हेतु हिंदी में भाषाई योग्यता में निपुणता प्राप्त करते है। विभिन्न प्रकार के कार्यालयी प्रयोजन यथा प्रशासनिक पत्र, टिप्पन,प्रारुपन,आवेदन, परियोजना पत्र,अधिसूचना विज्ञप्ति जैसे विभिन्न कार्यों में दक्षता प्राप्त करते है।

साहित्य के अध्ययन के अन्तर्गत वे विभिन्न कालों के सामाजिक,सांस्कृतिक,इतिहास,जीवनदृष्टि,मूल्यों का अध्ययन करतें हैं और राष्ट्रीय,सामाजिक,सांस्कृतिक चेतना के संवाहक बनते हैं।साहित्य के अध्ययन के माध्यम से वह भारतीय समाज के विशिष्टाओं का अध्ययन करते हैं जो समेकित राष्ट्रीयता की चेतनागत आधार भूमि है।इससे एक ओर छात्रों के व्यक्तित्व में राष्ट्रीयता,सांस्कृतिक,सामाजिक तत्वों का समावेशन होता है और एक देशभक्त नागरिक के रूप में उनके चरित्र एवं व्यक्तित्व का सुसंगठन होता है जो विविधता में एकता वाले इस राष्ट्र के लिए आवश्यक है।साहित्य अध्ययन के उपरांत उनके व्यक्तित्व में स्वस्थ ,नैतिक,सामाजिक, चारित्रिक प्रगतिशील मूल्यों का समावेश होता है और सामाजिक कुरीतियां,विसंगतियों के निर्मूलन हेतु उनमें जागृति संचारित होती है।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत संस्कृत सहित अन्य भारतीय भाषाओं एवं वैश्विक भाषाओं के साहित्य एवं सिद्धांतों का अध्ययन भी समाहित है जो उन्हें एक ओर तो राष्ट्रीयता से संवाहित करता है तो दूसरी ओर उन्हें वैश्विक परिदृश्य की चेतना एवं संज्ञान से संप्रिक्त करता है।

कार्य कौशल दक्षता एवं रोजगार के दृष्टिकोण से हिन्दी स्नातकोत्तर का पाठ्यक्रम छात्रों के समक्ष एक बहुआयामी वितान उपलब्ध कराने में सक्षम है।यह छात्रों के अन्दर रचनात्मक लेखन का कौशल विकसित करता है जो थिएटर, फिल्म, टीवी विभिन्न चैनलों एवं मीडिया में उनके लिए असंख्य अवसर प्रदान करता है। वे पत्रकार,पटकथा लेखक,समाचार संपादक,वाचक, उदघोषक ,फिल्म, थियेटर,सीरियल ,विज्ञापन,फीचर लेखन आदि में उनके लिए रोजगार के असंख्य अवसरों का सृजन करता है।विभिन्न इलेक्ट्रोनिक श्रव्य एवं मुद्रित माध्यमों में हिंदी के छात्रों के लिए रोजगार की व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत छात्र विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं में हिन्दी विषय को चयनित कर प्रशासनिक पदों पर भी जातें हैं। नेट, स्लेट आदि के माध्यमों से विभिन्न महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षक के रूप में चयनित होते हैं हिन्दी अधिकारी एवं अनुवादक के रूप में भी चयनित होते हैं साथ ही लेखक, समीक्षक तथा पत्रकार या फिलांसर के रूप में भी ये कार्य करने की दक्षता प्राप्त करते हैं।

निष्कर्षतः हिन्दी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम छात्रों के चरित्र,व्यक्तित्व के विकास उनके अन्दर नैतिक,सामाजिक,सांस्कृतिक, राष्ट्रीय संचेतना के संवहन के अभिप्रयोजन से संचारित है जो भविष्य में उनके लिए विविध बहुआयामी रोजगार और अवसर का सृजन करने में सक्षम है।